तापमान
अधिकतम 36.0 डिग्री
न्यूनतम 26.0 डिग्री

हरिभूमि
रायगढ़-जशपुर भूमि

बिलासपुर, सोमवार 16 फरवरी 2026

4

श्रद्धा और आस्था का प्रमुख केंद्र बाबा धामः सीएम

खबर संक्षेप

गर्म राख में झुलसी महिला की मौत

रायगढ़। गाय चराने गई महिला जिंदल के राखड़ यार्ड के गर्म राखड़ की चपेट में आ गई। बताया जा रहा है महिला की गाय भागते हुए यार्ड की ओर चली गई। जिसे महिला भगाने के लिए जा रही थी। इसी दौरान महिला गर्म राख में समा गई। महिला गंभीर रूप से झुलस गई। ग्रामीणों को जानकारी मिली तो महिला को राखड़ से बाहर निकाला गया। उसके परिजनों ने उसे इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां महिला का उपचार चल रहा था। 14 फरवरी को उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया। सूचना पर पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू किया है। जानकारी के अनुसार मृतिका झूलामति राठिया पति कन्हाईराम राठिया 60 ग्राम डोंगाढकेल थाना भूदेवपुर की रहने वाली थी। विगत 9 फरवरी को सुबह गाय चराने के लिए जिंदल खराब डंपिंग यार्ड की तरफ गई थी। इस दौरान गाय रखड़ में चढ़ने लगी। जहां महिला गाय को उसे भगाने के लिए जब पहुंची तो गर्म राख में घुस गई। जिस पर कमर पेट सीन गंभीर रूप से झुलस गई। जिसे उपचार के जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था। दौरान 14 फरवरी को उसकी मौत हो गई। बताया जा रहा है क्षेत्र में भारी मात्रा में राखड़ रखा गया है, जो पूरा पहाड़ की तरह हो गया है। यहां आसपास के गांव के लोग क्षेत्र में पहाड़ किनारे मवेशी चराने अक्सर जाते है। घटना के दिन भी ऐसा ही हुआ था। जहां गाय भागते हुए यार्ड की ओर पहुंची। जिसके पीछे महिला गई हुई थी।अचानक से गर्म राख में समा गई और घायल हो गई। अब उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। मामले में पुलिस ने मर्ग दर्ज कर घटना की जांच शुरू किया है।

सहसपानी को पानी टंकी संचालन की जिम्मेदारी

सारंगढ़। जल जीवन मिशन से जिले में जल की उपलब्धता जल बचाव हेतु विकासखंड सारंगढ़ के ग्राम पंचायत सहसपानी में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा भव्य जल अर्पण दिवस कार्यक्रम शनिवार को आयोजित किया गया। कार्यक्रम में नवनिर्मित पानी टंकी एवं अन्य जल प्रदाय योजनाओं को ग्रामवासियों को समर्पित किया गया। श्मोर गाँव मोर पानी श्जल संवर्धन सुजल ग्राम और सुजल, स्वच्छ, स्वस्थ ग्राम हमारा अभिमान जैसे नारों के साथ ग्रामीणों को जल की उपयोगिता संरक्षण एवं प्रबंधन की विस्तृत जानकारी दी गई। विभागीय अधिकारियों कार्यपालन अभियंता रमाशंकर कश्यप, एसडीओ बी एल खरे ने बताया कि जल जीवन मिशन का उद्देश्य हर घर तक शुद्ध पेयजल पहुँचाना और जल स्रोतों के संरक्षण के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना है।

पुरानी बस्ती में मारपीट के आरोपी पकड़े गए

रायगढ़। 12 फरवरी की रात पुरानी बस्ती खरसिया में दो पड़ोसियों के बीच हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। पुलिस चौकी खरसिया ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। प्रार्थिया श्रीमती सरस्वती बाई श्रीवास उम्र 58 वर्ष, निवासी पुरानी बस्ती वार्ड नंबर 6 पनखतियापार खरसिया ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि 12 फरवरी की रात लगभग 7.30 बजे उनका पुत्र अश्वनी श्रीवास घर के बाहर गली में खड़ा था। उसी दौरान पड़ोसी संजय बेरा एवं उसका पुत्र अजीत बेरा पुरानी रंजिश को लेकर अश्वनी से गाली गलौज करते हुए मारपीट करने लगे। बीच बचाव के लिए पहुंची सरस्वती बाई के साथ भी संजय बेरा की पत्नी मिठ्ठू बेरा ने मारपीट की। आरोप है कि अजीत बेरा अपने घर से लोहे का हथियार फरसी लाकर अश्वनी पर जान से मारने की नीयत से हमला किया। मामले में रिपोर्ट दर्ज कर विवेचना प्रारंभ की गई। घायल अश्वनी श्रीवास एवं प्रार्थिया का अस्पताल में कराया गया। अश्वनी की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे जिन्दल अस्पताल रेफर किया गया। मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर प्रकरण में धारा 118(1) एवं 109 भारतीय न्याय संहिता जोड़ी गई है।

केंद्राध्यक्षों को जाना पड़ेगा थाने तब मिलेगा प्रश्न पत्र

चार दिन पुलिस की कैद में रहेगी बोर्ड की गोपनीय सामग्री, परीक्षा के एक घंटे पहले खुलेगा लॉकअप

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायगढ़

आज से चार दिनों तक बोर्ड का गोपनीय सामग्री पुलिस की कैद में रहेगी। परीक्षा के एक घंटे उसे लॉकअप से बाहर निकाला जा ए गा । ऐसा नहीं है कि उसे निकाल कर बाहर कर दिया जाएगा, लेने के लिए संबंधित स्कूल का केंद्राध्यक्ष थाना पहुंचेंगे तब लॉकर से बाहर निकाला जाएगा। इस दौरान प्रश्न पत्र का बंडल लेने वाले का साइन लिया जाएगा। हर थाने में आठ से दस परीक्षा सेंटरों का गोपनीय सामग्री रखी जाएगी। इसके लिए रुट तैयार किया गया है। याने हर थाने से होकर वाहन गुजरेगी। बोर्ड का प्रश्न पत्र समन्वय सेंटर चक्रधर नगर स्कूल से दो दिन वितरण किया जाएगा। पहले दिन चार आदिवासी ब्लॉकों में घरघोड़ा, तमनार, लैलूंगा और धरमजयगढ़ क्षेत्र के परीक्षा सेंटरों के लिए गोपनीय सामग्री वितरण होगा। दूसरे दिन याने 17 फरवरी को एक आदिवासी ब्लॉक खरसिया के साथ दो सामान्य ब्लॉक पुसौर और रायगढ़ के लिए वितरण होगा।

खास बात

- पहले दिन चार आदिवासी ब्लॉकों के परीक्षा सेंटरों के लिए होगा सामग्री वितरण
- रुट चार्ट के हिसाब से हर थाना से होकर गुजरेगी वाहन, प्रभारी भी नियुक्त

खास बात यह है कि गोपनीय सामग्री लेने के लिए केंद्राध्यक्षों को अपने साथ डबल ताले की एक बड़ी पेटी, चपड़ा, सील के साथ अन्य सामग्री लेकर आना होगा। साथ में एक सुरक्षा गार्ड भी लाना होगा। याने बोर्ड परीक्षा का प्रश्न पत्र पुलिस के पहरेदारी में ही थानों तक पहुंचेगी। छग माशिमं की 10 बोर्ड की परीक्षा 21 फरवरी और 12 वीं की परीक्षा 20 फरवरी से चालू होगी। इसके लिए चार दिन पहले गोपनीय सामग्री का वितरण किया जाएगा। गोपनीय सामग्री संबंधित क्षेत्र के थानों में कड़ी सुरक्षा के बीच लॉकर में रखी जाएगी।

कम हो गए परीक्षार्थी

2025 में कक्षा 10 वीं में 12603 परीक्षार्थी थे। वहीं कक्षा 12 वीं में 9252 परीक्षार्थी थे। इस साल याने 2026 में 10 वीं में 12112 और 12 वीं में 9137 परीक्षार्थी पंजीकृत हैं। यह बोर्ड से मिले फायनल आंकड़ा है। ऐसे में बीते साल की तुलना में 491 और 115 बच्चे कम हो गए हैं। इसी तरह 2024 की तुलना में साल 2025 में 10 वीं में 640 और कक्षा 12 वीं में 624 परीक्षार्थी कम हो गए थे। दूसरी ओर दर्ज संख्या कम होने की वजह से करीब सात परीक्षा सेंटर इस बार कम कर दिया गया है। बीते साल याने 2025 में बोर्ड के परीक्षा सेंटरों की संख्या जहां 116 थी। वहीं इस साल इसे कम करके 109 कर दिया गया है।

बनाए गए हैं 9 रुट

शिक्षा विभाग की ओर से गोपनीय सामग्री थानों तक पहुंचाने के लिए 9 रुट बनाया गया है। सभी थानों के लिए एक-एक रुट प्रभारी भी नियुक्त किया गया है। रुट क्रमांक एक में पूंजीपथरा और घरघोड़ा थाना को रखा गया है। इसी तरह रुट क्रमांक दो तमनार, रुट क्रमांक तीन लैलूंगा, रुट क्रमांक चार छाल और कापू, रुट क्रमांक पांच धरमजयगढ़ और रैरुमा चौकी, रुट क्रमांक 6 भूपदेवपुर और जोबी थाना, रुट क्रमांक 7 में खरसिया थाना और खरसिया पुलिस चौकी, रुट क्रमांक 8 पुसौर और रुट क्रमांक 9 में शहर के चारों थानों में जूटमिल, चक्रधर नगर, कोतवाली और कोतरा रोड थाना शामिल है। संबंधित ब्लॉक के बीईओ हर रुट के लिए एक-एक प्रभारी नियुक्त करेंगे।

ऐसे रजिस्टर्ड रहे बोर्ड के परीक्षार्थी

साल	कक्षा	परीक्षार्थी
2026	10 वीं	12112
	12 वीं	9137
2025	10 वीं	12603
	12वीं	9252
2024	10 वीं	13243
	12 वीं	9876
2023	10 वीं	18827
	12वीं	17430
2022	10 वीं	19985
	12 वीं	15279

जोबी पुलिस ने घेराबंदी कर तस्करों से किया 24 गौवंश मुक्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायगढ़

14 फरवरी की रात गश्त के दौरान जोबी पुलिस ने अटल चौक पर नाकेबंदी की। कुछ समय पश्चात सक्ती की ओर से एक बिना नंबर लाल काले रंग की होंडा साइन मोटरसाइकिल को रोका गया, जिसका चालक अपना नाम भूपेंद्र यादव, निवासी सिंगीबहार थाना तपकरा जिला जशपुर बताया। उसके पीछे आ रहे पिकअप वाहन क्रमांक जेएच 07 एम 0203 को रोककर जांच करने पर चालक पवन राम निवासी बधीमा जिला जशपुर तथा उसके साथ परमेश्वर यादव निवासी सिंगीबहार थाना तपकरा जिला जशपुर मिले। वाहन की तलाशी लेने पर उसमें 10 नग गौवंश को रस्सियों से बांधकर क्रूरतापूर्वक उड़ीसा के बुचड़खाने ले जाने की तैयारी पाई गई।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से पिकअप वाहन कीमत 6 लाख रुपयेए 10 नग गौवंश कीमत 2.55 लाख रुपए तथा होंडा साइन मोटरसाइकिल कीमत 1 लाख, कुल 9 लाख 55 हजार की संपत्ति जब्त कर आरोपियों के विरुद्ध पुलिस चौकी जोबी थाना खरसिया में छत्तीसगढ़ कृषक पशु परिरक्षण अधिनियम की धारा 4, 6, 10, 11 तथा पशु क्रूरता निवारण अधिनियम की धारा 11 के तहत अपराध पंजीबद्ध' कर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।

पुलिस के डर से गौवंश छोड़ भागे आरोपी

इसी तरह धरमजयगढ़ क्षेत्र में 14 नग गौवंश को तस्करों के चंगुल से मुक्त कराया गया। ग्राम कोन्धा में तीन अज्ञात तस्कर गौवंश को लेकर जा रहे थे, जिन्हें पूछताछ करने पर वे मौके से फरार हो गए। पुलिस द्वारा मौके से 14 नग गौवंश को सुरक्षित जप्त कर पशु चिकित्सक से उनका परीक्षण कराया गया तथा उनके चारा पानी की व्यवस्था की गई। इस मामले में अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध छत्तीसगढ़ कृषक पशु परिरक्षण अधिनियम एवं पशु क्रूरता निवारण अधिनियम के तहत अपराध दर्ज कर उनकी तलाश की जा रही है।

बेरोजगारी की दंश ने बना दिया आरोपी, नौकरी पाने लिया तमिलनाडु के फर्जी अंकसूची का लिया सहारा

- डाकपाल की नौकरी के लिए लगाया तमिलनाडु की फर्जी अंकसूची, सत्यापन में खुलासा के बाद आरोपी गिरफ्तार

रायगढ़। बेरोजगारी की दंश ने एक बेरोजगार को आरोपी बना दिया। नौकरी पाने की लालसा में उसने ऐसे रास्ता अख्तियार किया जो सीधे जेल तक जाती है। नौकरी पाने के लिए तमिलनाडु बोर्ड के नाम पर तैयार फर्जी अंकसूची लगा दिया। इस मार्कशीट का जब सत्यापन किया गया तो फर्जी निकला, याने तमिलनाडु बोर्ड से यह अंकसूची जारी ही नहीं की गई थी। अब दोनों आरोपी सलाखों के पीछे पहुंच गए हैं।

पुलिस ने फर्जी अंकसूची के माध्यम से डाकपाल की नौकरी प्राप्त करने का प्रयास करने वाले सक्ती जिले के एक महिला और एक पुरुष को सिटी कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। मामले का खुलासा अधीक्षक डाकघर रायगढ़ संभाग द्वारा थाना सिटी कोतवाली में प्रस्तुत आवेदन के बाद हुआ। आवेदन के अनुसार जुलाई 2023 में भारतीय डाक विभाग द्वारा ग्रामीण डाक सेवकों की ऑनलाइन भर्ती प्रक्रिया जारी की गई थी। इस भर्ती में जिला सक्ती के अभ्यर्थी नरेन्द्र कुमार पिता कांशी राम निवासी बाजार पारा बड़े रबेली मालखरौदा, जिला सक्ती तथा सोनम साहू पति हरिश साहू, निवासी लंहगाडहर सरवानी बाराद्वार, जिला जांजगीर चांपा ने कक्षा 10वीं की अंकसूची अपलोड कर आवेदन किया था। प्रस्तुत अंकसूची के आधार पर दोनों का चयन क्रमशः रायगढ़ डाक संभाग अंतर्गत बर्रा एवं सुलेसा शाखा में डाकपाल पद के लिए हुआ। दस्तावेज सत्यापन के दौरान प्रस्तुत अंकसूचियों को संबंधित बोर्ड तमिलनाडु से सत्यापित कराया गया, जहां से प्राप्त रिपोर्ट में स्पष्ट किया गया कि उक्त अंकसूचियां बोर्ड द्वारा जारी नहीं की गई हैं। चूंकि ग्रामीण डाकसेवकों की नियुक्ति कक्षा 10वीं के अंकों के आधार पर होती है, इस कारण फर्जी दस्तावेज प्रस्तुत करने की पुष्टि हुई। अधीक्षक डाकघर रायगढ़ के आवेदन पर थाना कोतवाली में धारा 420, 467, 468, 471, 34 भादवि के तहत मामला दर्ज कर विवेचना प्रारंभ की गई। कोतवाली पुलिस ने सक्ती से दोनों आरोपियों को हिरासत में लेकर थाना कोतवाली लाया गया और पूछताछ की गई। पूछताछ में उन्होंने बताया कि नौकरी की तलाश के दौरान उनकी पहचान 'कोरबा निवासी विनोद कुमार राठौर से हुई, जिसने नौकरी लगवाने के नाम पर तीन से साढ़े तीन लाख की मांग की। नरेन्द्र कुमार ने उसे 3 लाख 50 हजार दिया था, जबकि सोनम साहू ने नियुक्ति पश्चात राशि देने की बात कही थी। विनोद राठौर द्वारा उन्हें नकली मार्कशीट उपलब्ध कराई गई, जिसे जानते हुए भी दोनों ने ऑनलाइन आवेदन किया। सत्यापन में फर्जीवाड़ा उजागर होने पर उनकी नियुक्ति निरस्त हो गई। पुलिस ने आरोपियों से फर्जी अंकसूचियां तथा वास्तविक शैक्षणिक दस्तावेज जब्त किए हैं। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है। मामले का मुख्य साजिशकर्ता विनोद कुमार राठौर निवासी कोरबा फरार है, जिसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम दबिश दे रही है।

चोरी की बाइक के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

रायगढ़। कोतवाली पुलिस ने चोरी के मामलों में सतत पतासाजी के दौरान चोरी की मोटरसाइकिल बेचने की फिराक में ग्राहक तलाश रहे दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। प्रार्थी प्लांट कर्मी हरिशचंद्रा उम्र 26 वर्ष निवासी ग्राम अरसिया थाना जैजेपुर जिला सक्ती, वर्तमान पता बोईरदादर रायगढ़ द्वारा 10 फरवरी को थाना कोतवाली में मोटरसाइकिल चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। प्रार्थी ने बताया कि वह अग्रहो स्टील पावर चिराईपानी में कार्यरत है तथा 8 फरवरी को प्रतिदिन की तरह अपनी मोटरसाइकिल क्रमांक सीजी 12 एल 1014 से प्लांट गया था। दोपहर करीब 1.30 बजे उसने उर्दना पेट्रोल पंप के पास मोटरसाइकिल खड़ी कर प्लांट बस से ड्यूटी पर चला गया। रात्रि लगभग 10.30 बजे वापस आने पर मोटरसाइकिल मौके से गायब मिली। काफी खोजबीन के बाद वाहन नहीं मिलने पर प्रार्थी द्वारा 8 फरवरी को थाना कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई गई जिस पर धारा 303(2) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। विवेचना के दौरान माल.मुलाजिम पतासाजी में आज 15 फरवरी को पुलिस को सूचना प्राप्त हुई कि मंगलूडीपा निवासी संदीप खत्री एक चोरी की बाइक रखकर उसे बेचने ग्राहक तलाश रहा है। सूचना पर तत्काल पुलिस टीम द्वारा घेराबंदी कर संदेही संदीप खत्री को हिरासत में लिया गया।

शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में भी गूंजता रहा ओम नमः शिवाय

मंदिर के पट खुलते ही उमड़ा आस्था का सैलाब

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायगढ़

महाशिवरात्रि के महापर्व पर आस्था का ऐसा सैलाब उमड़ा की भक्त तेज धूप में भी घंटों खड़े रहकर बाबा का दर्शन किया और अपनी मन्नत मांगी। भक्त रात से ही बाबा भोलेनाथ के दर्शन के लिए लाइन में लग गए थे। जैसे ही मंदिर का पट खुला आस्था का संगम देखने को मिला।

सुबह से शाम तक मंदिरों में जलअर्पण करने वालों की संख्या में लगातार बढ़ोत्तरी होता रहा। शहर सहित ग्रामीण और गली-मोहल्ले के मंदिरों भक्तों की भीड़ लगी रही। सुबह से शाम तक भक्तिमय गीत बजते रहे। देर रात तक मंदिरों में भक्त पहुंचे। ओम नमः शिवाय दिन भर गुंजते रहा। शहर के कोसमनारा बाबाधाम, गौरी शंकर मंदिर, निकले महादेव मंदिर, सत्तीगुड़ी चौक स्थिति मंदिर, पंचमुखी हनुमान मंदिर, मनकामेश्वरधाम, पहाड़ मंदिर, बुढ़ीमाई मंदिर, बरगढ़ स्थिति शिव मंदिर में भक्तों का तांता लगा रहा। मंदिरों में देर रात से भक्त जल अर्पण करने पहुंच गए थे। मंदिरों में सुबह से शाम तक ओम नमः शिवाय गूंजता रहा। सुबह से शाम तक मंदिरों में दर्शन और जल अर्पण करने वालों की संख्या में कोई कमी नहीं हुई। सुबह से देर शाम तक लोगों की संख्या बढ़ते रहा। शहर के गौरीशंकर मंदिर में सुबह से जुटे भक्तों का तांता लगा रहा। इधर कोसमनारा बाबाधाम में दर्शन करने भक्तों की लंबी कतार लगी रही। शहर के छोटे से लेकर बड़े शिवायलों में अस्था कम नहीं हुआ।

बारात में झूमे भक्त

देर शाम शहर में भगवान भोलेनाथ की बारात निकले। डीजे की धून में भक्त थिरकते हुए देखे गए। झांकी शहर के अलग-अलग चौक-चौराहों से होकर निकले। जहां भक्तीमय गीतों में भक्त देर रात तक थिरकते रहे। भगवान भोलेनाथ की बारात में सैकड़ों की संख्या में भक्त शामिल हु। गौरीशंकर मंदिर के पास से बारात निकले और शहर भ्रमण करते हुए आगे निकली। इस दौरान भक्त ओम नमः शिवाय मंत्र का जाप लगाते रहे। महाशिवरात्रि के अवसर पर भक्तों ने श्रद्धालूओं की खूब सेवा की। किसी ने भंडारे में प्रसाद बांटा तो कोई खीर पुड़ी का प्रसाद बांटा। गौरीशंकर मंदिर चौक में एक भक्त ने सुबह से शाम तक लोगों को फ्री में गन्ना जूस पिलाया है।

MARK OF EXCELLENCE
अनुभवी एक्सपर्ट्स द्वारा मस्तिष्क की जटिल समस्याओं का समाधान

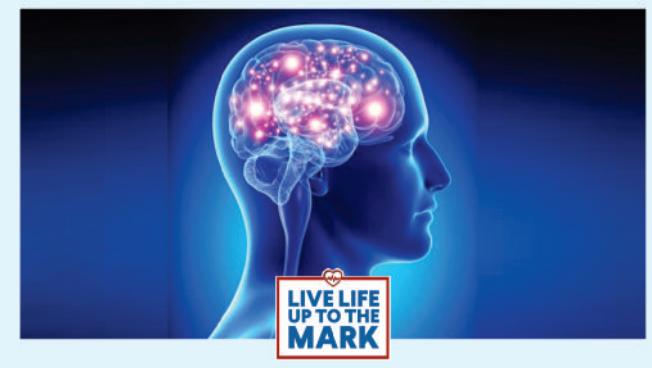

- अल्जाइमर रोग
- माइग्रेन (बार-बार चक्कर आना)
- साईंटिका
- पैरालिसिस लकवा (स्ट्रोक)
- मिरगी रोग
- पार्किंसन्स
- नसों की दिक्कत
- सिर दर्द
- स्पाइनल कॉर्ड
- माँसपेशियों की कमज़ोरी
- शरीर में कम्पन
- मल्टीपल स्क्लेरोसिस (एमएस)
- मायस्थेनिया ग्रेविस
- मानसिक बीमारी (ब्रेइन्फेक्शन)
- मस्तिष्क रक्तस्राव (ब्रेन हैमरेज)

• EEG • EMG • NCV की सुविधा

MARK HOSPITAL
SERVING - CARING - HEALING SINCE 2013
Tertiary Care - Super Speciality Hospital
NABH Accredited Hospital
Chantidih Road, Sarkanda, Bilaspur 495006 (C.G.)
AdPRAYAS

24x7 SERVICES • CT SCAN • PATHOLOGY • PHARMACY • ICU
FOR AMBULANCE CALL:- 9691700486
Contact No: 07752-796230, 9039028850
Website: www.markhospital.com
Email: info@markhospital.com

खबर संक्षेप

जिलास्तरीय वीर मादरी कालो की मनाई गई जयंती

सुंदरगढ़। वीर मादरी कालो की जयंती के अवसर पर स्थानीय क्षेत्र में श्रद्धांजलि सभा और स्मरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने उनके त्याग, संघर्ष और समाज के प्रति उनके योगदान को याद करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम के दौरान वीर मादरी कालो के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की गई तथा उनके जीवन, आदर्शों और समाज सेवा से जुड़े योगदान पर वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किए। वक्ताओं ने कहा कि वीर मादरी कालो के जीवन त्यागए संघर्ष और समाज के प्रति समर्पण का प्रतीक है, जो आज की पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत है। इस अवसर पर स्थानीय बुद्धिजीवी, समाजसेवी, युवा और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। सभी ने उनके आदर्शों को अपनाकर समाज के विकास और सामाजिक एकता को मजबूत करने का संकल्प लिया।

जमीन माफिया सक्रिय, सरकारी जमीन की हो रही अवैध बिक्री

राउरकेला। राउरकेला शहर और आसपास के क्षेत्रों में जमीन माफियाओं की गतिविधियां बढ़ने का मामला सामने आया है। आरोप है कि सरकारी जमीनों पर अवैध कब्जा कर उन्हें प्लॉटिंग के जरिए ऊंचे दामों पर बेचा जा रहा है। इस स्थिति से स्थानीय लोगों में नाराजगी बढ़ रही है और प्रशासन की भूमिका पर भी सवाल उठने लगे हैं। जानकारी के अनुसार, कुछ असामाजिक तत्व सरकारी जमीनों को अपने कब्जे में लेकर उन्हें निजी संपत्ति की तरह बेच रहे हैं। इस पूरे मामले में बिचौलियों और दलालों की सक्रिय भूमिका होने की बात भी सामने आई है। कई मामलों में जमीन खरीदने वाले लोग बाद में कानूनी परेशानियों में फंस जाते हैं, क्योंकि जमीन के दस्तावेज और स्वामित्व स्पष्ट नहीं होते।

अभिनव विद्या मंदिर में मातृ पितृ दिवस का आयोजन

पुसौर। अभिनव विद्या मंदिर में मातृ पितृ दिवस का आयोजन हर्षोल्लास के साथ किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के हिंदी एवं अंग्रेजी माध्यम के छात्रों ने अपने माता पिता के साथ मिलकर इस कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के पूजन अर्चन के साथ हुई। इसके बाद मंत्रोच्चार के साथ बच्चों ने अपने माता पिता का तिलक एवं आरती उतार कर पूजा की और आशीर्वाद लिया। विद्यालय के संचालक एवं प्राचार्य अक्षय कुमार सतपथी ने पालकों को संबोधित करते हुए कहा कि बच्चों को अच्छे संस्कार देना बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि बच्चों को बड़ों को प्रणाम करना सिखाएं और उनकी बात मानने के लिए प्रेरित करें। इसके अलावा उन्होंने बच्चों को छोटी छोटी शिक्षा प्रद कहानियां एवं जानकारी देने की सलाह दी। श्री सतपथी ने कहा कि बच्चे घर पर 17 से 18 घंटे अपने माता पिता के सानिध्य में रहते हैं इसलिए उनकी निगरानी करना बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने माताओं से अनुरोध किया कि वे बच्चों को मोबाइल एवं टीव्ही न देखने दें क्योंकि इससे बच्चों के भविष्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। कार्यक्रम में शिक्षक शिक्षिकाओं द्वारा परीक्षा पे चर्चा में स्थानीय वार्षिक परीक्षा के बारे में जानकारी दी गई। इसके अलावा तिमाही अर्धवार्षिक एवं वार्षिक परीक्षा परिणाम से अधिभार सहित परीक्षा परिणाम घोषित होने के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम में शताधिक माता पिताओं की उपस्थिति रही।

निरामय योजना में दवाओं का टोटा, मरीज बेहाल

सुंदरगढ़। सरकारी निरामय योजना के तहत मरीजों को मुफ्त दवाइयाँ उपलब्ध कराने का प्रावधान है, लेकिन जिले के कई अस्पतालों में आवश्यक दवाइयों की अनुपलब्धता से मरीजों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। दवाओं की कमी के कारण उन्हें बाहर की मेडिकल दुकानों से महंगे दाम पर दवाइयाँ खरीदनी पड़ रही हैं, जिससे अतिरिक्त आर्थिक बोझ बढ़ गया है। जानकारी के अनुसार, अस्पतालों में पर्याप्त भंडारण नहीं होने अथवा समय पर आपूर्ति नहीं पहुंचने के कारण यह स्थिति उत्पन्न हुई है। खासकर गरीब, दैनिक मजदूर और दूर दराज के इलाकों से इलाज के लिए आने वाले मरीजों के लिए यह समस्या और भी गंभीर बन गई है। कई मरीजों को आवश्यक दवा न मिलने पर निराश होकर लौटना पड़ रहा है। मरीजों और परिजनों का कहना है कि योजना में शामिल कई जरूरी दवाइयाँ अस्पताल में उपलब्ध नहीं हैं। उनका आरोप है कि व्यवस्था में सुधार के बिना योजना का उद्देश्य अधूरा रह जाएगा।

स्वयंभू शिव मंदिर का जिले में है विशेष महत्व

महाशिवरात्रि पर पुजेरापाली में उमड़े श्रद्धालु

सरिया। महाशिवरात्रि के अवसर पर ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक महत्व की स्थल पुजेरीपाली स्वयंभू शिव मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु आस्था एवं विश्वास के साथ पूजा पाठ कर भगवान भोलेनाथ से सुख शांति की मन्नत मांगी।

देवाधिदेव महादेव शिव एवं शक्ति का मिलन पर्व महाशिवरात्रि आज रविवार को अंचल में आस्था और विश्वास के साथ मनाया गया। मान्यताओं के अनुसार गृहस्थों के लिए महाशिवरात्रि शिव के विवाह का दिन है तो तपस्वियों और साधकों के लिए शिव के शांत होने का दिन। हर कोई आज के दिन शिव को प्रसन्न करने का प्रयास करता है। कोई व्रत रखकर तो कोई महा मृत्युंजय जाप करके। सब का एक ही प्रयास होता है कि भगवान को प्रसन्न कर मन वांछित कृपा प्राप्त करें। इसी आस्था और विश्वास के साथ आज रविवार महाशिवरात्रि पर्व पर अंचल के शिवालयों में भगवान भोलेनाथ की पूजा अर्चना के लिए सुबह से ही लोगों की भीड़ उमड़ी। खास करके महिलाओं ने भगवान को प्रसन्न करने के लिए किसी ने निर्जला व्रत रखा तो किसी ने व्रत रखते हुए पूजा पाठ की। भगवान भोलेनाथ को प्रिय लगने वाले पूजन सामग्री जैसे बेलपत्र, फूल एकच्चा दूध, श्रीफल, धतूरा, दीया बाती एवं एक लोटा जल के साथ मंदिरों में कतार लगाए भगवान भोलेनाथ पर जलाभिषेक किया और पुण्य के भागी बने। सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले की तहसील मुख्यालय सरिया से लगे पुजेरपाली स्वयंभू शिव मंदिर का जिले में एक विशेष महत्व है। पुजेरीपाली ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक स्वयंभू शिवलिंग के नाम से प्रसिद्ध है। यह मंदिर छठवीं शताब्दी का मंदिर बताया जाता है।

तथा एक रात में निर्मित मंदिर होने की बात कही जाती है। छत्तीसगढ़ के कोने कोने से एवं सरहदी प्रांत उड़ीसा से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां भोलेनाथ को जल चढ़ाने पहुंचे। यह मंदिर एक प्रमुख आस्था पीठ बन चुका है। जहां श्रद्धालु प्रतिदिन दर्शन के लिए आते तो है हीए विशेष रूप से महाशिवरात्रि के दिन यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु उमडी। महाशिवरात्रि के दिन मंदिर में धार्मिक अनुष्ठान में सुबह से ही श्रद्धालु अपनी मन्नतें पूरी करने के लिए यहां पहुंचे।

वेदव्यास धाम में आस्था का सैलाब

राउरकेला। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर वेदव्यास धाम में श्रद्धा और आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिला। तड़के सुबह से ही मंदिर परिसर में भक्तों की खचाखच भीड़ उमड़ पड़ी। दूर.दराज से पहुंचे श्रद्धालु लंबी कतारों में घंटों प्रतीक्षा कर भगवान शिव का दर्शन और जलाभिषेक करते नजर आए। मंदिर परिसर हर हर महादेव और बोल बम के जयकारों से गूंज उठा। भक्तों ने विधि विधान के साथ शिवलिंग पर जल, दूध और बेलपत्र अर्पित कर सुख समृद्धि एवं कल्याण की कामना की। विशेष रूप से युवाओं और महिलाओं की बड़ी भागीदारी देखने को मिली। प्रशासन और मंदिर समिति की ओर से भीड़ को नियंत्रित करने के लिए विशेष व्यवस्था की गई थी।

राउरकेला में 15 दिवसीय जागर मेला शुरू

राउरकेला। महाशिवरात्रि पर्व से एक दिन पहले राउरकेला के पवित्र वेदव्यास मंदिर में तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। ब्राह्मणी नदी के तट पर स्थित इस धार्मिक स्थल पर महाशिवरात्रि के अवसर पर भगवान महादेव के दर्शन के लिए लाखों श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है।

पर्व को शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए राउरकेला पुलिस द्वारा व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की गई है। महाशिवरात्रि और जागर मेले को ध्यान में रखते हुए 10 प्लाटून पुलिस बल के साथ 200 से अधिक होमगार्ड और ट्रैफिक कर्मियों को तैनात किया गया है। पुलिस प्रशासन द्वारा आज वेदव्यास में विशेष सुरक्षा ब्रीफिंग भी आयोजित की गई। मुख्य मंदिर में चल रहे नवीनीकरण कार्य के कारण इस वर्ष दर्शन व्यवस्था में कुछ बदलाव किए गए हैं। श्रद्धालु मुख्य द्वार से प्रवेश कर बालुंकेश्वर मंदिर में पूजा अर्चना करेंगे। मंदिर के कपाट सुबह 3 बजे खुलेंगे, जबकि पवित्र महादीप रात 2 बजे उठाया जाएगा। वेदव्यास मंदिर में महादीप जिला कलेक्टर द्वारा उठाया जाएगा, वहीं बालुंकेश्वर मंदिर में यह अनुष्ठान राउरकेला पुलिस अधीक्षक द्वारा संपन्न किया जाएगा। महाशिवरात्रि के अवसर पर 15 दिनों तक भव्य जागर मेले का भी आयोजन किया गया है।

एक ही मरीज में दो अलग - अलग हिस्सों में सिंक्रोनस कोलन कैंसर, जटिल सर्जरी से बचाई जान

रायगढ़। चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में अपनी सूक्ष्म दृष्टि और जटिल ऑपरेशनों के लिए विख्यात डॉ. आर पटेल यूरोलॉजी एंड मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल ने एक अत्यंत दुर्लभ और चुनौतीपूर्ण मामले को सफलतापूर्वक सुलझाकर चिकित्सा जगत में अपनी छाप बनायी है। अब जटिल कैंसर सर्जरी और दुर्लभ बीमारियों के इलाज के लिए मरीजों को बड़े मेट्रो शहरों के महंगे अस्पतालों के चक्कर लगाने की जरूरत नहीं है। गैस्ट्रो सर्जन डॉ पुष्पेंद्र नायक एवं जनरल सर्जन डॉ अजय चौधरी और विशेषज्ञों की टीम ने एक ऐसे मरीज की सफल सर्जरी किया है, जिसकी बड़ी आंत में एक नहींए बल्कि दो अलग.अलग स्थानों पर कैंसर की गांठें मौजूद थीं। जो बहुत ही दुर्लभ कैंसर होता है। जिसे के नाम से जाना जाता है।

मरीज पिछले एक महीने से पेट दर्द और गंभीर की समस्या से जूझ रहा था। पेट में मरोड़ और भोजन न पचने के कारण मरीज की हालत लगातार बिगड़ती जा रही थी। प्राथमिक उपचार से राहत न मिलने पर जब परिजन उन्हें डॉ. आर पटेल हॉस्पिटल लेकर आए तो वहां के वरिष्ठ डॉक्टरों ने गहन जांच का निर्णय लिया। प्राथमिक जांच हुई तो मरीज की स्थिति को देखते हुए जब रेडियोलॉजी और गैस्ट्रो विभाग ने आधुनिक मशीनों के जरिए मरीज के कोलन बड़ी आंत की जांच की तो परिणाम हैरान करने वाले थे। उसकी बड़ी आंत में दो अलग अलग जगहों पर गांठ थे और बायोप्सी के जरिये उन गाँठों में कैंसर की पुष्टि हुई। आमतौर पर कैंसर एक ही जगह विकसित होता है, लेकिन इस मामले में मरीज की आंत में दो अलग अलग जगहों पर कैंसर के ट्यूमर विकसित हो चुके थे। चिकित्सा की भाषा में इसे अत्यंत दुर्लभ माना जाता है क्योंकि इसमें सर्जरी की जटिलता कई गुना बढ़ जाती है। दो अलग अलग कैंसर की गांठों को एक ही बार में सुरक्षित रूप से निकालना सर्जन्स के लिए किसी चुनौती से कम नहीं था। मरीज का सर्जरी करके दोनों ही कैंसर की गांठों को इस तरह निकाला गया कि स्वस्थ आंतों को कम से कम नुकसान हो।

> ■ एक महीने से कब्ज से परेशान मरीज की जांच में हुआ दुर्लभ खुलासाय डॉ. आर पटेल हॉस्पिटल ने रचा इतिहास

एक महीने का संघर्ष समाप्त

एक महीने से दर्द सह रहे मरीज को सर्जरी के बाद न केवल कैंसर से मुक्ति मिली, बल्कि उनकी पाचन प्रक्रिया भी सामान्य होने लगी है। इस सफल ऑपरेशन पर अस्पताल के डॉ अजीत पटेल संचालक ने कहारू यह केस हमारे लिए बहुत चुनौतीपूर्ण था क्योंकि दो अलग अलग जगहों पर ट्यूमर होने के कारण सर्जरी का समय और रिस्क दोनों बढ़ जाता है। लेकिन हमारी टीम के सटीक समन्वय और आधुनिक सुविधाओं की वजह से हम इसे सफलतापूर्वक अंजाम दे सके। मरीज की रिकवरी बहुत अच्छी है। डॉ रूपेन्द्र पटेल डायरेक्टर ने कहा की मरीजों को बेहतर इलाज देना और उन्हें एक स्वस्थ कल देने का प्रयास हमेशा से हमारा रहा है। गैस्ट्रो सर्जन एवं टीम के विशेषज्ञ और सभी स्टाफ को सफल ऑपरेशन के लिए बधाई देता हूं।

श्रमिकों से ठगी का आरोप धान पड़ा है लेकिन मजदूरी का भुगतान नहीं

सुंदरगढ़। धान खरीद प्रक्रिया को लेकर अनियमितताओं और श्रमिकों के शोषण का मामला सामने आया है। धान की ढुलाई, लोडिंग और परिवहन कार्य में लगे श्रमिकों ने आरोप लगाया है कि उन्हें तय मजदूरी समय पर नहीं मिल रही है। इसके कारण श्रमिक आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं और उनकी आजीविका प्रभावित हो रही है। जानकारी के अनुसार, धान खरीद केंद्रों में बिचौलियों और दलालों की सक्रियता के कारण पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता की कमी देखी जा रही है। आरोप है कि धान भंडारण और परिवहन का कार्य जारी रहने के बावजूद श्रमिकों का भुगतान लंबित रखा जा रहा है। कई श्रमिकों का कहना है कि लंबे समय से मेहनताना नहीं मिलने के कारण उन्हें दैनिक खर्च चलाने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों ने भी धान खरीद केंद्रों में चल रही अनियमितताओं पर चिंता जताई है।

पितृ पुरुष लखीराम की जयंती में शामिल हुए भाजपाई, लगा भंडारा

खरसिया। लखीराम अग्रवाल जिन्हे लखी भइया तथा युवाओं ने काका नाम दिया, इनका जन्म 13 फरवरी 1932 को छत्तीसगढ़ के खरसिया नगर में प्रतिष्ठित समाजसेवी मंशाराम अग्रवाल के सुपुत्र के रुप में हुआए इनकी माताश्री का नाम श्रीमती रुकमणि देवी था। आज इस महान विभूति लखीराम अग्रवाल की जयंती पर इनके द्वारा किये महान कार्यों और इन्हें याद कर इन्हें नमन किया। इस अवसर पर स्थानीय लखीराम चौक में बड़ी संख्या में भाजपा नेताओं, कार्यकताओं की उपस्थिति रही। समस्त कार्यकताओं द्वारा आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर स्वः लखीराम को याद कर भंडारे का आयोजन किया गया।

विदित है कि प्रदेश में अपनी ओजस्वीवाणी के कारण लोकप्रिय रहने के साथ छत्तीसगढ़ के कोने कोने से इनका गहरा नाता रहा। नगर पालिका, विधानसभा, लोकसभा की चुनावी नब्ज टटोलने में इन्हें महारत हासिल थी काका जी सदैव जमीनी हकीकत और कार्यकर्ता की इच्छा के आधार पर निर्णय लेने वाले नेता रहे। सन् 1988 के एतिहासिक खरसिया उपचुनाव में कांग्रेस के चाणक्य कहलाने वाले तत्कालिन मुख्यमंत्री अर्जुन सिंह को व्यूह रचना में ऐसा बांध दिया था जिसकी चर्चा प्रदेश के कोने कोने में होने लगी थी। दिलीप सिंह जूदेव जैसे कद्दावर नेता को सामने लाकर भाजपा के राष्ट्रीय नेताओं को काफी प्रभावित किया।

कोयला खदान के नाम पर 42 वर्षों से ठप विकास

झारसुगुड़ा। कोयला खदान बनने की घोषणा के बाद से पिछले 42 वर्षों से क्षेत्र का विकास पूरी तरह ठप पड़ा है। जमीन की खरीद बिक्री पर प्रतिबंध लगने के कारण शौचालय निर्माण, प्रधानमंत्री आवास योजना, सार्वजनिक सड़क निर्माण सहित कई जरूरी विकास कार्य रुक गए हैं। इस स्थिति से झारसुगुड़ा जिले के लखनपुर तहसील अंतर्गत जराबगा गौड़पाड़ा गांव के लोग लंबे समय से परेशान हैं। ग्रामीणों ने वर्ष 2024 में विस्थापन की मांग को लेकर चुनाव बहिष्कार की चेतावनी भी दी थी। बाद में विस्थापन का आश्वासन मिलने पर उन्होंने चुनाव में भाग लिया, लेकिन दो वर्ष बीत जाने के बाद भी अब तक उन्हें विस्थापित नहीं किया गया है। ग्रामीणों का कहना है कि आज भी उन्हें बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं। गांव के गजेंद्र बाग के अनुसार, जराबगा में सबसे पहले कोयला खदान परियोजना शुरू

होनी थी,लेकिन अब तक काम शुरू नहीं हुआए जबकि आसपास दो खदानें चालू हो चुकी हैं। गांव में पेयजल की गंभीर समस्या बनी हुई है। करीब 260 परिवारों के लिए कंपनी द्वारा भेजे जाने वाले पानी के टैंकर ही एकमात्र सहारा हैं। नहाने और शौच जैसी मूलभूत जरूरतों के लिए लोगों को भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है।

ओपी जिंदल विश्वविद्यालय में पांच दिवसीय ड्रोन टेक्नोलॉजी बूटकैंप

तमनार। ओपी जिंदल विश्वविद्यालय ओपीजेयू रायगढ़ में नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ़ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी भुवनेश्वर के सहयोग से ड्रोन टेक्नोलॉजी कॉन्सेप्ट्स, डिज़ाइन - इम्प्लीमेंटेशन विषयक 22वाँ पाँच दिवसीय ड्रोन टेक्नोलॉजी बूटकैंप 9 से 13 फरवरी 2026 तक सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।

इस उद्योगोन्मुख तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को ड्रोन तकनीक के सैद्धांतिक आधार के साथ साथ व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना था। बूटकैंप में कुल 67 विद्यार्थियों ने सक्रिय सहभागिता की और ड्रोन डिजाइन, असेंबली, परीक्षण एवं

संचालन की प्रक्रियाओं को व्यवहारिक रूप से सीखा।

9 फरवरी को आयोजित उद्घाटन सत्र में कार्यक्रम का शुभारंभ गरिमामय वातावरण में ओपी जिंदल विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. आरडी पाटीदार ने एनआईईआईटी भुवनेश्वर के बिज़नेस डेवलपमेंट ऑफिसर अंजन जोशी, जिंदल स्टील के स्ट्रक्चरल स्टील डिवीजन के बिज़नेस हेड एमडी इनाम, ओपीजेयू के कुलसचिव डॉ. अनुराग विजयवर्गीय तथा अन्य गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति में किया। अपने प्रेरक उद्बोधन में उन्होंने ड्रोन तकनीक को आधुनिक तकनीकी क्रांति का महत्वपूर्ण अंग बताते हुए कहा कि वर्तमान समय में यह तकनीक कृषि, उद्योग, सर्विलांस, अवसंरचना निरीक्षण, खनन तथा आपदा प्रबंधन जैसे विविध क्षेत्रों में व्यापक रूप से उपयोग की जा रही है। उन्होंने विशेष रूप से इस बात पर बल दिया कि ड्रोन तकनीक न केवल कार्यों को अधिक सुरक्षित और सटीक बनाती है, बल्कि समय और संसाधनों की भी बचत करती है। डॉ. पाटीदार ने विद्यार्थियों को अनुसंधान, नवाचार और स्टार्टअप उन्मुख सोच विकसित करने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य उन्हें उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप सक्षम और आत्मनिर्भर बनाना है।

रचनात्मकता और वैज्ञानिक सोच का किया प्रदर्शन

ऊर्जा नवाचार प्रतियोगिता में पीडी कॉलेज के बच्चों का शानदार प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायगढ़

शनिवार के दिन पीडी कॉलेज के विद्यार्थियों के लिए यादगार बन गया, जब क्रेडा और शासकीय पालूराम धनानिया वाणिज्य एवं कला महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में ऊर्जा नवाचार प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। इस प्रतियोगिता में छात्र छात्राओं ने अपनी रचनात्मकता और वैज्ञानिक सोच का ऐसा प्रदर्शन किया कि उपस्थित दर्शक दंग रह गए।

कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. सुशील कुमार एक्का ने की। उन्होंने विद्यार्थियों को ऊर्जा के महत्व और उसके नवाचारपूर्ण उपयोग पर विस्तार से जानकारी दी और प्रतिभागियों के मॉडल्स का बारीकी से अवलोकन किया। प्रतियोगिता में प्रस्तुत किए गए मॉडल न केवल तकनीकी दृष्टि से

कारगर थे, बल्कि उनमें विद्यार्थियों की कल्पनाशीलता और मेहनत भी झलक रही थी। इसी क्रम में सर्वप्रथम सहायक प्राध्यापक एवं कार्यक्रम संयोजक डॉ. उषा नायक ने विद्यार्थियों को निबंध और पोस्टर प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रेरित करते हुए दिशा-निर्देश जारी रखा। परिणाम स्वरूप प्रतियोगी छात्र-छात्राओं ने ऊर्जा संरक्षण और नवाचार पर एक से बढ़कर एक पोस्टर और निबंध प्रस्तुत किए, जिनमें सामाजिक संदेश और वैज्ञानिक दृष्टिकोण का सुंदर मेल दिखाई दिया।

संजना और ऐश्वर्या ने मारी बाजी

निबंध एवं पोस्टर प्रतियोगिताओं क्रमशः में बीकॉम चतुर्थ सेमेस्टर की संजना सिदार व ऐश्वर्य प्रथम स्थान पर रही। वही बीकॉम सेकेन्ड सेमेस्टर से ईशा चौहान व सौम्या चौहान ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। तृतीय स्थान में कड़ी स्पर्धा देखने को मिली, जिसमें क्रमषः चतुर्थ सेमेस्टर की नेहा बैरागी और ऐश्वर्या तृतीय स्थान पर अपना नाम दर्ज करने पर सफल रही। इन्हें प्राचार्य एवं आयोजन दल द्वारा स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर पुरस्कृत किया गया।

भागवत कथा के श्रवण से ही मिल जाती है पापों से मुक्ति

कटेली। जनपद पंचायत सारंगढ़ क्षेत्र के ग्राम कौवाताल में तिवारी परिवार छोटे गौटीया द्वारा आयोजित हरिवंश महापुराण कथा कौआताल गांव के प्रफुल्ल तिवारी अधिवक्ता के गांव में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन रखा गया है कथावाचक पंडित विरेन्द्र दुबे महाराज ने कहा कि हरि के वंश का गुणगान करने से धन धान्य संतान की वृद्धि होती है। भागवत कथा श्रवण मात्र से पाप से मुक्ति मिलती। कहा जिस स्थान पर कथा होती है वहां भगवान विराजमान होते हैं। भगवन नाम के जाप से सारे विपत्ति नाश हो जाते हैं। इस जगत में भगवत कृपा के बिना कुछ भी संभव नहीं है। मनुष्य को समाज में अच्छे काम करना चाहिए। भगवान श्रीकृष्ण ने कहा है की कर्म ही प्रधान है, बिना कर्म कुछ संभव नहीं होता है, जो मनुष्य अच्छा व सत्कर्म करता है उसे अच्छा फल मिलता है व बुरे कर्म करने वाले को हमेशा बुरा फल मिलता है। इसलिए सभी को अच्छे कर्मो के प्रति आकृष्ट होना चाहिए।

'एक दिन' का एक नया पोस्टर आया सामने ...

मुंबई। वैलेंटाइन डे के मौके पर जुनैद खान और साई पल्लवी अभिनीत फिल्म 'एक दिन' के निर्माताओं ने फिल्म का एक प्यारा सा पोस्टर जारी किया। पोस्टर में साई पल्लवी को एक मफिन पकड़े हुए देखा जा सकता है, मानो वह जुनैद को वैलेंटाइन डे की शुभकामनाएं दे रही हों। दोनों एक दूसरे को प्यार भरी निगाहों से देख रहे हैं, जिनमें स्नेह और मिठास झलक रही है। एक गर्मजोशी भरे, रोमांटिक सर्दियों के माहौल में फिल्माए गए इस पोस्टर में जुनैद और साई के किरदार बर्फ से ढकी सड़क पर कंधे से कंधा मिलाकर चलते हुए, हल्की मुस्कान बिखेरते नजर आ रहे हैं। दोनों ने आरामदायक सर्दियों के कपड़े पहने हैं, जिससे पोस्टर में ऐसा लग रहा है मानो वे अपनी ही दुनिया में खोए हुए हों।

लाइफ Style

मृणाल

'सिंगल' होने का दिया अपडेट

अभिनेत्री मृणाल ठाकुर और अभिनेता सिद्धांत चतुर्वेदी जल्द ही रोमांटिक ड्रामा फिल्म 'दो दीवाने शहर में' में नजर आएंगे। यह फिल्म दो ऐसे लोगों की कहानी है, जो यह सिखाती है कि हर वक्त परफेक्ट होना जरूरी नहीं है।

एजेंसी ▶▶ मुंबई

फिल्म की टीम इन दिनों प्रमोशन के लिए कर रही है। अक्षय कुमार के गेम शो 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून' के आने वाले एपिसोड में फिल्म की टीम नजर आएगी, जिसमें मृणाल ठाकुर, सिद्धांत चतुर्वेदी और डायरेक्टर रवि उदयावर नजर आएंगे। इस एपिसोड में अभिनेत्री ने खुलासा किया कि वह फिलहाल किसी रिलेशनशिप में नहीं है। अक्षय कुमार इस एपिसोड में मृणाल की टांग खींचते हुए पूछते हैं, मृणाल, सोशल मीडिया पर आपके बारे में काफी चर्चा चल रही है। आपका अभी रिलेशनशिप स्टेट्स क्या है?" यह सवाल सुनकर मृणाल ने बिना झिझक के जवाब दिया, मैं अभी सिंगल हूं और मिंगल होने के लिए तैयार हूं। बता दें कि कुछ समय से सोशल मीडिया पर मृणाल और साउथ एक्टर धनुष के रिश्ते और शादी के बारे में काफी अफवाहें उड़ी थीं। हालांकि, अभिनेत्री ने अपने इस जवाब से अफवाहों पर विराम लगा दिया है।

रवि उदयावर की ओर से निर्देशित, यह एक आधुनिक, यथार्थवादी प्रेम कहानी है। इस फिल्म में सिद्धांत चतुर्वेदी और मृणाल ठाकुर मुख्य भूमिकाओं में हैं। इन दोनों के अलावा फिल्म में ईला अरुण, जॉय सेनगुप्ता, आयशा रजा, विराज गेहलानी, संदीपा धर, दीपराज राणा, मोना अम्बेगांवकर, अचिंत कौर और नवीन कौशिक भी नजर आएंगे।

हॉलीवुड मसाला

तलाक के बाद निकोल का पहला पोस्ट

लॉस एंजेलिस। वैलेंटाइन डे' प्यार का दिन माना जाता है। लेकिन ऐसा कोई नियम नहीं है कि वैलेंटाइन डे मनाने के लिए आपका रिलेशनशिप में होना जरूरी हो। अगर आप सिंगल हैं, तो भी आप खुद के लिए कुछ खास करके भी इसे मना सकते हैं। इसी का उदाहरण दिया मशहूर एक्ट्रेस निकोल किडमैन। ऑस्कर जीत चुकीं निकोल ने इस्टाग्राम पर अपनी एक फोटो शेयर की, जिसमें वह बेड पर आराम करती नजर आ रही हैं। फोटो में उन्होंने गुलाबी और सफेद धारियों वाली शर्ट पहनी हुई है। खिड़की से आती धूप उनके चेहरे पर पड़ रही है और वह काफी शांत और खुश नजर आ रही हैं।

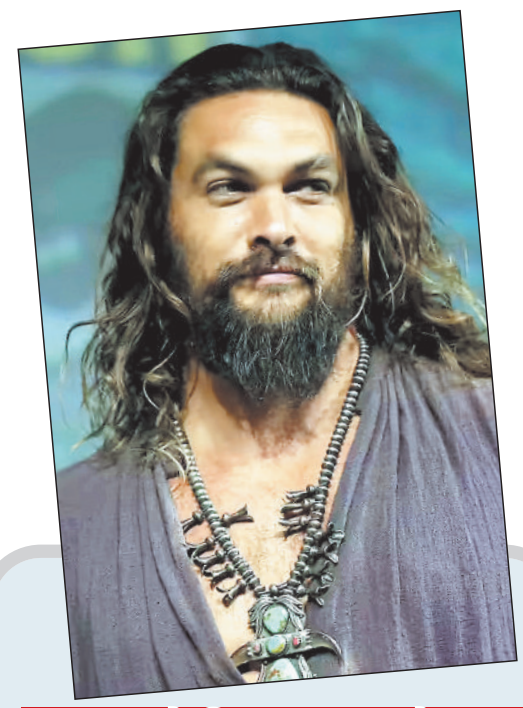

'द रेकिंग क्रू' के प्रमोशन में जुटे जेसन

लॉस एंजेलिस। अपनी आगामी फिल्म 'द रेकिंग क्रू' के प्रमोशन में जुटे हॉलीवुड स्टार जेसन मोमोआ ने शाहरुख की तारीफ की है। शाहरुख से अपनी मुलाकात के बारे में बात करते हुए जेसन ने कहा कि हां, वह बहुत हैंडसम हैं। जब जेसन से पूछा गया कि पहली मुलाकात में दोनों ने किस बारे में बात की, तो उन्होंने कहा कि हम दोनों आपसी दोस्त और एक-दूसरे के काम के प्रशंसक हैं। वह बहुत ही प्यारे इंसान हैं। वह बेहद विनम्र थे। वह मुझसे बेहतर अभिनेता और कलाकार हैं। इसलिए यह आपसी सम्मान की बात थी। जेसन मोमोआ के करियर की बात करें तो 1999 में टीवी शो बेवॉच: हवाई से अपने करियर की शुरुआत करने के बाद उन्होंने 2011 में गेम ऑफ थ्रोन्स के पहले सीजन में खाल ड्रोगो का किरदार निभाया।

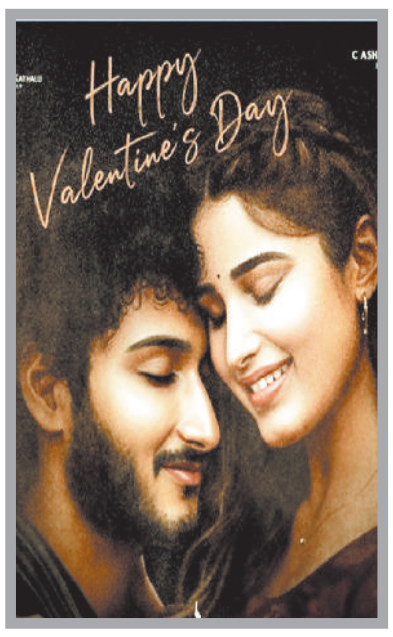

राशा की तेलुगु फिल्म का पोस्टर आउट

मुंबई। अभिनेत्री राशा थडानी हिंदी सिनेमा में अपनी अदाकारी का जलवा बिखेरने के बाद तेलुगु सिनेमा में एंट्री करने जा रही हैं। अभिनेत्री जल्द ही निर्देशक अजय भूपति की आगामी तेलुगु फिल्म 'श्रीनिवासा मंगापुरम' में नजर आएंगी। इस एक्शन-रोमांस फिल्म में वह महेश बाबू के भतीजे जया कृष्ण घट्टामनेनी के साथ मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। फिल्म का पहला पोस्टर जारी कर दिया गया है। इसमें राशा और जया कृष्ण घट्टामनेनी दोनों एक-दूसरे के करीब नजर आ रहे हैं। पोस्टर में राशा ने एक खूबसूरत लैवेंडर कलर की साड़ी पहनी हुई है। उनके बाल खुले हैं। वहीं, पोस्टर में लिखा है, "हैप्पी वेलेंटाइन डे।" राशा ने पोस्ट कर लिखा,"बस एक बार अपनी आंखें खोलकर देखो मैं यहीं रहूंगी, इतनी पास कि तुम्हारी सांसों को महसूस कर सकूं।"

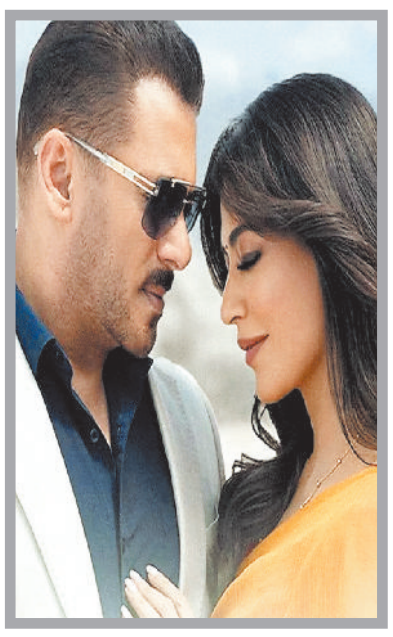

बैटल ऑफ गलवान का गाना रिलीज...

मुंबई। वैलेंटाइन डे के मौके पर फिल्म "बैटल ऑफ़ गलवान" का रोमांटिक गाना "मैं हूं" रिलीज हुआ। सलमान खान और चित्रांगदा सिंह के इस गाने में उनकी लविंग केमिस्ट्री दिखाई गई है। सलमान खान फिल्म्स ने इस गाने को अपने ऑफिशियल प्लेटफॉर्म पर रिलीज किया। इससे पहले "मातृभूमि" गाना रिलीज़ हुआ था, जिसे 50 मिलियन से ज़्यादा व्यूज़ मिले थे। मेकर्स ने स्पेशल ट्रैक "मैं हूं" 14 फरवरी को रिलीज़ किया था। यह गाना एक सैनिक और उसके परिवार के रिश्ते की इमोशनल कहानी दिखाता है। मेकर्स ने गाने को सोशल मीडिया पर शेयर किया और इसका ऑफिशियल लिंक भी रिलीज किया। यह ट्रैक परिवार के साथ बिताए खुशी के पलों से लेकर ड्यूटी की वजह से अलग होने तक की एक इमोशनल जर्नी दिखाता है।

'द रेकिंग क्रू' के प्रमोशन में जुटे जेसन

लॉस एंजेलिस। अपनी आगामी फिल्म 'द रेकिंग क्रू' के प्रमोशन में जुटे हॉलीवुड स्टार जेसन मोमोआ ने शाहरुख की तारीफ की है। शाहरुख से अपनी मुलाकात के बारे में बात करते हुए जेसन ने कहा कि हां, वह बहुत हैंडसम हैं। जब जेसन से पूछा गया कि पहली मुलाकात में दोनों ने किस बारे में बात की, तो उन्होंने कहा कि हम दोनों आपसी दोस्त और एक-दूसरे के काम के प्रशंसक हैं। वह बहुत ही प्यारे इंसान हैं। वह बेहद विनम्र थे। वह मुझसे बेहतर अभिनेता और कलाकार हैं। इसलिए यह आपसी सम्मान की बात थी। जेसन मोमोआ के करियर की बात करें तो 1999 में टीवी शो बेवॉच: हवाई से अपने करियर की शुरुआत करने के बाद उन्होंने 2011 में गेम ऑफ थ्रोन्स के पहले सीजन में खाल ड्रोगो का किरदार निभाया।

टीवी मसाला

रश्मि देसाई को दो बार बदलना पड़ा अपना नाम

मुंबई। टीवी और ओटीटी की दुनिया में अपनी अलग पहचान बना चुकीं रश्मि देसाई आज किसी परिचय की मोहताज नहीं हैं, लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि जिस नाम से देश उन्हें जानता है, वह उनका असली नाम नहीं है। उनकी पहचान के पीछे एक दिलचस्प किस्सा है, जो दो बार बदले गए नाम से जुड़ा हुआ है। रश्मि देसाई का जन्म 13 फरवरी 1986 को असम के नागांव में हुआ था। उनका जन्म एक गुजराती परिवार में हुआ। इंडस्ट्री में कदम रखने से पहले रश्मि का असली नाम शिवानी था। जब उन्होंने एक्टिंग की दुनिया में आने का फैसला किया, तब उन्हें नाम बदलने की सलाह दी गई, ताकि नया नाम किस्मत के लिए शुभ साबित हो। इसके बाद शिवानी ने अपना नाम बदलकर दिव्या रख लिया। इसी नाम से उन्होंने अपने करियर की शुरुआती कोशिशें शुरू कीं। दिव्या नाम से उन्होंने शुरुआत में कई प्रोजेक्ट्स किए, लेकिन उन्हें वह पहचान नहीं मिल पा रही थी, जिसकी उन्हें तलाश थी। उनके पास काम आने भी बंद हो गए थे। उसी समय एक ज्योतिष मित्र की सलाह पर उन्होंने एक बार फिर नाम बदलने का फैसला लिया। इसके बाद दिव्या से वह रश्मि देसाई बनीं। यही नाम उनके जीवन का सबसे बड़ा टर्निंग पॉइंट साबित हुआ। नाम बदलने के बाद न सिर्फ काम मिलने लगा, बल्कि उनकी पहचान भी बनने लगी।

बचपन की तस्वीरों में छुपा श्रुति का मिजाज

मुंबई। अभिनेत्री श्रुति हासन अपने शानदार अभिनय से न सिर्फ साउथ सिनेमा, बल्कि बॉलीवुड में भी राज करती हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक मजेदार और नॉस्टेल्जिक वीडियो पोस्ट किया। इस वीडियो में उनके बचपन से लेकर अब तक की तस्वीरें शामिल हैं। वहीं, श्रुति ने वीडियो में लिखा, "किसी लड़की के बचपन की तस्वीरों से उसके स्वभाव और व्यक्तित्व की झलक साफ दिखाई देती है।" अभिनेत्री ने पोस्ट कर लिखा, "मैं तो हमेशा से ही बहुत मूडी रही हूं, हाहा।" श्रुति अभिनेत्री होने के साथ-साथ गायिका और संगीतकार भी हैं, जिन्होंने तमिल, तेलुगु और हिंदी सिनेमा में अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज करवाई। इस बात से बहुत कम लोग वाकिफ हैं, लेकिन श्रुति ने अपने करियर की शुरुआत अभिनेत्री के रूप में नहीं, बल्कि गायिका और संगीतकार के रूप में की थी। उन्होंने महज छह साल की उम्र में ही अपने पिता की फिल्म थेवर मगन (1992) में पहला गाना गाया था। इसके बाद उन्होंने हिंदी फिल्म 'चाची 420' (1997) में भी गायन किया। साल 2000 में कमल हासन के निर्देशन में बनी फिल्म 'हे राम' में उन्होंने बाल कलाकार के रूप में अतिथि भूमिका निभाई और उसी फिल्म के लिए हिंदी और तमिल में टाइटल थीम 'रामा रामा' भी गाया था। अभिनेत्री जल्द ही फिल्म निर्देशक पवन सादिनेनी की फिल्म 'आकासमलो ओका तारा' में नजर आएंगी।

महाशिवरात्रि पर हंसराज रघुवंशी ने रिलीज किया 'महादेव की शादी' भक्ति गीत...

मुंबई । महाशिवरात्रि के पावन पर्व से पहले म्यूजिक इंडस्ट्री भी हर-हर महादेव के जयकारों से गूंज उठी है। भोजपुरी सिनेमा से लेकर हिंदी सिनेमा तक रोज नए शिव भक्ति गीत रिलीज हो रहे हैं, लेकिन अब शिव भक्ति से सराबोर गीत गाने वाले सिंगर हंसराज रघुवंशी ने महादेव की शादी से जुड़ी रस्मों का नया गीत रिलीज किया है, जिसमें देवताओं से लेकर असुर बाबा की बारात में मस्तमौला अंदाज में नाच रहे हैं। हंसराज रघुवंशी का नया भक्ति गीत 'महादेव की शादी' रिलीज हो चुका है, और गीत को सिंगर ने अपने आधिकारिक चैनल पर रिलीज किया है। गीत में शिव बारात का वर्णन किया गया है कि कैसे भस्म और नागों से बाबा श्रृंगार कर मां पार्वती को ब्याहने ले जा रहे हैं। गीत के बोल और बीट दोनों ही शानदार हैं, जो पूरी तरह डांसिंग वाइब दे रही है। गीत के सिंगर और कंपोजर खुद हंसराज हैं, जबकि गीत के बोल दीप फतेह ने लिखे हैं। 'महादेव की शादी' के बोल मिस्ता बाज़ ने लिखे हैं और प्रोड्यूस कोमल सकलानी ने किया है, जो सिंगर की पत्नी हैं।

पैपराजी पर भड़कीं धुरंधर की आयशा

मुंबई। एक्ट्रेस आयशा खान का करियर इन दिनों ऊपर चढ़ रहा है। उन्होंने फिल्म 'धुरंधर' के गाने 'शरारत' पर अपने डांस से सबका दिल जीत लिया है और खूब तारीफें बटोर रही हैं। हाल ही में एक्ट्रेस शनाया कपूर और आदर्श गौरव की फिल्म 'तू या मैं' की स्क्रीनिंग में पहुंचीं और पैपराजी को डांट लगाई। दरअसल, जब आयशा खान पैपराजी को पोज दे रही थीं, तो एक ने उनसे पीछे मुड़ने को कहा। इसी बीच, एक और पैपराजी ने ऐसा कमेंट किया, जिससे एक्ट्रेस नाराज हो गईं। आयशा ने पैपराजी को डांटते हुए कहा, तुम अपनी इज्जत खुद कमाते हो और खुद ही खो देते हो। प्लीज ऐसा मत करो। अच्छा नहीं लगता। इसके बाद आयशा गुस्से में वहां से चली गईं। आयशा खान के इस वायरल वीडियो के बाद फैंस उनके सपोर्ट में आगे आ रहे हैं और पैपराजी को गलत फोटो खींचने के लिए डांट रहे हैं। वहीं, कुछ लोग आयशा को ट्रोल कर रहे हैं। उनका कहना है कि आयशा ओवरएक्टिंग कर रही हैं। आयशा सबसे पहले बिग बॉस 17 में आई थीं। उन्होंने शो में वाइल्ड कार्ड के तौर पर एंट्री की थी, लेकिन मुनव्वर फारूकी के साथ उनके लव-हेट रिलेशनशिप ने खूब ध्यान खींचा।

बॉलीवुड अपनी खूबसूरत लव स्टोरीज और म्यूजिक के लिए मशहूर

इश्क की परतें खोलती बॉलीवुड की सदाबहार प्रेम कहानियां

मुंबई। बॉलीवुड फिल्में अपनी खूबसूरत लव स्टोरीज और म्यूजिक के लिए मशहूर हैं। हालाँकि, हिंदी सिनेमा ने कुछ ऐसी फ़िल्में भी बनाई हैं, जो हमेशा खुश नहीं होतीं, लेकिन आखिर में हमें सच्चा प्यार करना सिखाती हैं। ये ऐसी फ़िल्में नहीं हैं,जो दिल टूटने को कुछ समय के लिए दिखाती हैं। बल्कि, ये दिखाती हैं कि हर लव स्टोरी का अंत अच्छा नहीं होता। खामोशी, जुदाई और इमोशनल संघर्ष से भरी ये फ़िल्में कुछ वाकई खूबसूरत लेकिन दिल तोड़ने वाली कहानियां पेश करती हैं, फिर भी ये इमोशन का एक डोज भी देती हैं जो दिल को सुकून देता है।

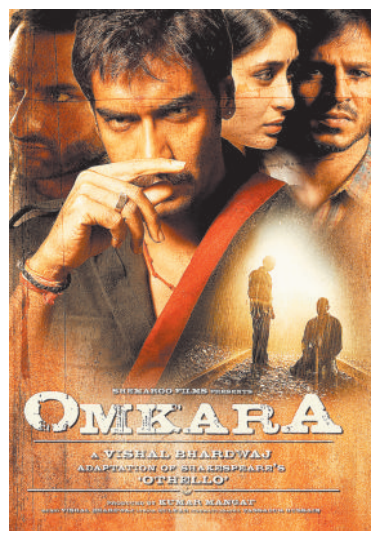

ओमकारा (2006) : ओथेलो का यह अडैप्टेशन दिल टूटने को धोखे और भरोसे के तौर पर दिखाता है। प्यार धोखे और धोखे की वजह से खत्म होता है, जिससे तबाही होती है। विशाल भारद्वाज के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म में सैफ अली खान,करीना कपूर और अजय देवगन हैं।

आशिकी 2 (2013) : श्रद्धा कपूर और आदित्य रॉय कपूर स्टारर, आशिकी 2 रोमांस से ज़्यादा ट्रेजेडी के बारे में है। यह म्यूज़िकल लव स्टोरी दिखाती है कि कैसे नशा और सेल्फ-इमेज प्यार पर हावी हो सकते हैं।

सनम तेरी कसम (2016) : जो एक खूबसूरत लव स्टोरी के तौर पर शुरू होती है, वह धीरे-धीरे एक दिल तोड़ने वाली कहानी में बदल जाती है। हर्षवर्धन राणे और मावरा होकेन स्टारिंग, यह सनम तेरी कसम एक ऐसी फिल्म है जो दिल टूटने को एक हालत के तौर पर दिखाती है, न कि कुछ समय के लिए।

लैला मजनू (2018) : लैला मजनू का यह नया वर्जन जुनून और तड़प का जश्न मनाता है। इंतजार, दिल टूटने और खोए हुए भरोसे की इसकी कहानी किसी की भी आंखों में आंसू ला देगी। तृप्ति डिमरी और अविनाश तिवारी की यह फिल्म दुख को ऐसे तरीके से दिखाती है जैसा पहले कभी नहीं देखा गया।

रॉकस्टार (2011) : रॉकस्टार प्यार के बारे में है, लेकिन दर्द लंबे समय तक रहता है। रणबीर कपूर लीड रोल में हैं। जॉर्डन के तौर पर, उसका दिल टूटने का असर उसकी पर्सनैलिटी और कामों पर पड़ता है, यहाँ तक कि उस लड़की को खोने के बाद भी, जिससे वह प्यार करता है। हालाँकि, हीर (नरगिस फाखरी) जॉर्डन की ज़िंदगी में वापस आती है, लेकिन उसे पाने के बाद उसे फिर से खोया हुआ देखना एक दिल तोड़ने वाला अनुभव है।

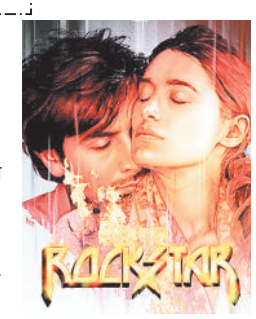

लुटेरा : 2013 में रिलीज़ हुई लुटेरा, ओ. हेनरी की शॉर्ट स्टोरी "द लास्ट लीफ" से इंस्पायर्ड है, जो जुदाई और कुर्बानी के ज़रिए दिल टूटने की कहानी दिखाती है। यह दिल टूटने के दर्द को शांत और सधे हुए तरीके से दिखाती है। विक्रम आदित्य मोटवानी के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म में रणवीर सिंह और सोनाक्षी सिन्हा लीड रोल में हैं।

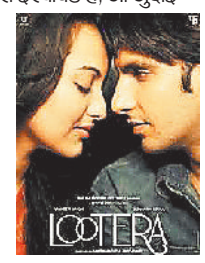

खबर संक्षेप

भाजयुमो अध्यक्ष ने पितृपुरुष को याद किया

रायगढ़। छत्तीसगढ़ भाजपा के पितृ

पुरुष, परम स्व. लखीराम अग्रवाल की जयंती पर स्मरण करते हुए भाजयुमो अध्यक्ष सुमीत शर्मा ने उन्हें नमन किया। भाजपा युवा नेता ने कहा लखीराम का पूरा जीवन पार्टी के लिए समर्पित किया। संगठन की मजबूती के लिए उन्होंने ऐसे प्रयोग किए जो आज भी प्रासंगिक है। कार्यकर्ताओं में राष्ट्रसेवा की भावना जागृत की और अपने विचारों व समर्पण से भाजपा को नई दिशा दी।

महाशिवरात्रि पर्व श्रद्धा पूर्वक मनाया गया

कोसीर। अंचल के गांव गांव में आज बड़े ही हर्षोल्लास के साथ भगवान-शिव की महाशिवरात्रि पर्व मनाया गया। जिसके फलस्वरूप गांव गांव मे भक्ति मय महौल बनी रही सुबह से ही भगवान-शिव की मन्दिर में भक्ति भाव के साथ भक्त गणो ने पूजा पाठ की जिसके फलस्वरूप मन्दिर मे भक्तो की लंबी कतार लगी रही वही जगह जगह भजन कीर्तन हुआ साथ में खीर पूड़ी वितरण कर भक्तोकी आशीर्वाद लिया और सुबह से शाम तक भगवान-शिव व माता पार्वती की जयजयकारे गूंजते रहे इस तरह महाशिवरात्रि का पर्व बडे ही हर्षोल्लास के साथ श्रद्धा पूर्वक मनाया गया।

आज होगी पंच कुण्डीय गायत्री महायज्ञ

रायगढ़। रायगढ़ पूर्वी अंचल के सुसंस्कृत ग्राम महापल्ली में 1989 से स्थापित गायत्री मंदिर में गायत्री महायज्ञ एवं वार्षिक समारोह का आयोजन शिवरात्रि के पावन अवसर पर किया जा रहा है। आज सैकड़ों महिलाओं ने सज धज कर गायत्री मंदिर प्रांगण से पद यात्रा करते हुए दर्रा तालाब में कलश भर कर गांव की परिक्रमा करते हुए पुनः गायत्री मंदिर पहुंची। शिवरात्रि के पावन अवसर पर रविवार को प्रातः 5 बजे से ध्यान धारणा तथा 9 बजे से पंच कुण्डीय गायत्री महायज्ञ प्रारंभ होगी। दोपहर 12 बजे से पूर्णाहुति एवं महा भंडारा का आयोजन किया गया है।

आरक्षण के लिए परिसीमन जरूरी : जगन्नाथ

पुसौर। पुसौर में एक कार्यक्रम के दौरान भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष जगन्नाथ पाणिग्राही ने महिला आरक्षण के लिए परिसीमन की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार द्वारा महिलाओं के अधिकारों की सुरक्षा के लिए महिला आरक्षण बिल पास किया गया है जिसमें 33 प्रतिशत महिला प्रत्याशियों को स्थान दिया जाएगा। पाणिग्राही ने कहा कि यह महिला आरक्षण बगैर परिसीमन के संभव नहीं है। उन्होंने बताया कि 1976 में परिसीमन हुआ था लेकिन इसके बाद इमरजेंसी लगाते हुए तत्कालीन प्रधानमंत्री ने अलोकतांत्रिक तरीके से इसमें बेन लगा दी जिसके कारण 2026 की स्थिति में 70 साल तक परिसीमन कार्य रुका हुआ है। उन्होंने कहा कि इन 70 सालों में देश की आबादी लगभग 3 गुना हो चुकी है लेकिन देश के सबसे बड़े महा पंचायत में जहां 543 सीटें ही हैं वहीं सभी प्रदेशों के विधान सभाओं में भी सीटों की संख्या यथावत है। सूत्रों के मुताबिक संविधान के अनुच्छेद 81 के अनुसार वर्तमान के लोक सभा एवं विधान सभा क्षेत्र में मतदाताओं की संख्या काफी अधिक है। ऐसे स्थिति में देश में सांसदों की संख्या 600 से अधिक और छत्तीसगढ़ में विधायकों की संख्या 120 के आसपास बताया जाता है।

बीडीओ को प्रताड़ित करने का आरोप

सुंदरगढ़। विभिन्न मांगों को लेकर बीडीओ और कर्मचारियों द्वारा आयोजित बैठक में सरकार की नीतियों के प्रति नाराजगी व्यक्त की गई। लंबे समय से लंबित समस्याओं का समाधान नहीं होने पर कर्मचारियों ने असंतोष जताते हुए आंदोलन तेज करने की चेतावनी दी है। बैठक में उपस्थित सदस्यों ने कहा कि कई बार मांगें उठाने के बावजूद सरकार की ओर से ठोस पहल नहीं की गई है। वेतन संशोधन, कार्य परिस्थितियों में सुधार तथा विभिन्न सुविधाओं को लेकर कर्मचारियों में असंतोष लगातार बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सपत्नीक सत्यनारायण बाबा धाम में की पूजा-अर्चना

श्रद्धा और आस्था का प्रमुख केंद्र बाबा धाम: सीएम

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायगढ़

महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय अपनी धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या साय के साथ रायगढ़ प्रवास के दौरान रात एक बजे ग्राम.कोसमनारा स्थित श्री श्री 108 श्री सत्यनारायण बाबा धाम पहुंचे। उन्होंने भगवान भोलेनाथ एवं श्री श्री 108 सत्यनारायण बाबा की विधिवत पूजा.अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख समृद्धि और खुशहाल जीवन की कामना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने पूरे प्रदेश वासियों को महाशिवरात्रि पर्व की बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

पूजा अर्चना के बाद मंदिर परिसर के सामने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने जिला खनिज न्यास मद के अंतर्गत 1 करोड़ 20 लाख की लागत से विभिन्न विकास कार्यों का विधिवत शिलान्यास किया। प्रस्तावित कार्यों में मुख्य भवन के सामने ग्रेनाइट फर्श सहित शेड निर्माण, आगंतुकों के विश्राम एवं भोजन के लिए शेड निर्माण, शौचालय परिसर भवन का निर्माण तथा पार्किंग क्षेत्र के लिए सीमेंट कांक्रीट सड़क निर्माण शामिल हैं। उन्होंने इन कार्यों के लिए क्षेत्रवासियों को बधाई देते हुए कहा कि इससे श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि कोसमनारा स्थित यह धाम श्रद्धा और आस्था का प्रमुख केंद्र है। यहां की आध्यात्मिक ऊर्जा समाज को सकारात्मक दिशा और आत्मबल प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार गुरुजनों के आशीर्वाद और जनता के विश्वास के साथ जनकल्याण के मार्ग पर निरंतर आगे बढ़ रही है।

रायगढ़ जिला मुख्यालय से लगभग 7 किलोमीटर दूर स्थित यह धाम वर्षों से श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र रहा है। बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां श्री श्री 108 श्री सत्यनारायण बाबा एवं भगवान भोलेनाथ के दर्शन के लिए पहुंचते हैं। स्थानीय जनश्रुति के अनुसारए श्री श्री 108 श्री सत्यनारायण बाबा वर्ष 1998 से कठोर तपस्या में लीन हैं। वर्ष 2003 में उन्हें श्री श्री 108 की उपाधि प्राप्त हुई, जिसके बाद धाम की ख्याति और अधिक बढ़ी। बताया जाता है कि बाबा ने पत्थरों को एकत्र कर शिवलिंग का स्वरूप निर्मित किया और उसी स्थान को अपनी तपोभूमि बनाया। वर्षाए ग्रीष्म और शीत तीनों ऋतुओं में खुले स्थान पर रहकर भगवान भोलेनाथ की साधना करना उनकी तपस्या की विशेष पहचान बन चुकी है।

समाज प्रमुखों की मांगों और सुझाव पर सीएम ने दिया सकारात्मक आश्वासन

सीएम विष्णुदेव साय अपने रायगढ़ प्रवास के दौरान सर्किट हाउस में जिले के विभिन्न सामाजिक संगठनों एवं समाज प्रमुखों से आत्मीय मुलाकात कर संवाद किया। मुख्यमंत्री ने समाज के समग्र विकास में सामाजिक संगठनों की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने के लिए सभी समाजों की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। इस अवसर पर कुल 28 समाजों के प्रमुखों ने भाग लिया। इनमें अघरिया, बंगाली सिख, केरल, अग्रवाल, यादव,साहू, माली, गुजराती, चौहान, आदिवासी, उत्कल, सिंधी, सतनामी, करण महंती, केसरवानी, बरई.थवाईत, राजपूत, मराठी, कुशवाहा, सोनी ब्राह्मण, भोजपुरी, निषाद, जैन, कोलता, देवांगन और कुम्हार समाज के प्रतिनिधियों ने अपनी मांगों एवं समस्याओं को प्रमुखता से मुख्यमंत्री के समक्ष रखा।

सीएम ने लिया अघोर गुरु पीठ बनोरा में गुरु दर्शन कर आशीर्वाद

सीएम विष्णु देव साय ग्राम बनोरा स्थित अघोर गुरु पीठ ब्रह्मनिष्ठालय पहुंचे। उन्होंने आश्रम के उपासना स्थल पर अघोरेश्वर अवधूत भगवान राम की प्रतिमा के दर्शन कर प्रदेशवासियों की सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर उन्होंने अघोरेश्वर के प्रिय शिष्य बाबा प्रियदर्शी भगवान राम जी के दर्शन कर आशीर्वाद एवं मार्गदर्शन भी प्राप्त किया। सीएम ने कहा कि छत्तीसगढ़ की आध्यात्मिक परंपरा हमारी सबसे बड़ी धरोहर है। अघोर गुरु पीठ जैसे संस्थान समाज को संस्कारए सेवा और सद्भाव का संदेश दे रहे हैं।

किसानों को होली से पहले अंतरित की जाएगी 10 हजार करोड़ की राशि

महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर सीएम विष्णुदेव साय कोसमनारा स्थित श्री श्री 108 सत्यनारायण बाबा एवं भक्त माता कर्मा.कृष्ण मंदिर के स्थापना दिवस एवं शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने भक्त माता कर्मा मंदिर में विधिवत पूजा.अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख समृद्धि और खुशहाली की कामना की तथा महाशिवरात्रि की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि 16 फरवरी 1998 से पूज्य सत्यनारायण बाबा खुले आसमान के नीचे निरंतर तपस्या में लीन हैं। तीनों ऋतुओं में 28 वर्षों से अधिक समय तक साधना करना अद्वितीय और प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि यह धाम सामाजिक समरसता, आस्था और भाईचारे का सशक्त प्रतीक बन चुका है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा जी के आशीर्वाद से उन्हें चार बार सांसद रहने का अवसर मिला और आज मुख्यमंत्री के रूप में दायित्व निभाने का सौभाग्य भी प्राप्त हुआ है। सीएम ने कहा कि समाज जब संगठित और जागरूक होता है तो विकास को मजबूती मिलती है। साहू समाज को शिक्षितए समर्पित और संगठित समाज बताते हुए उन्होंने कहा कि यह समाज प्रदेश के सामाजिक एवं आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। कोरबा जिला साहू संघ की पत्रिका तथा बाबा सत्यनारायण चालीसा का विमोचन भी किया गया। सीएम ने कहा कि समर्थन मूल्य पर धान बेचने वाले 25 लाख से अधिक किसानों को 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से अंतर राशि होली पर्व से पूर्व एकमुश्त प्रदान की जाएगी। लगभग 10 हजार करोड़ की राशि सीधे किसानों के खातों में अंतरित की जाएगी।

बरमकेला क्षेत्र के शिव मंदिरों में हुई विशेष पूजा-अर्चना

बरमकेला। बरमकेला क्षेत्र में महाशिवरात्रि का पर्व इस वर्ष भी पूरे श्रद्धा, आस्था और भक्ति भाव के साथ धूमधाम से मनाया गया। इस पावन अवसर पर सुबह ब्रह्ममुहूर्त से ही श्रद्धालु भगवान शिव के दर्शन के लिए मंदिरों में पहुंचने लगे थे। दिनभर मंदिरों में भक्तों की लंबी कतारें लगी रहीं और पूरा क्षेत्र हर हर महादेव और बोल बम के जयघोष से भक्तिमय बना रहा। श्रद्धालुओं ने भगवान शिव का जलाभिषेक कर अपने परिवार और क्षेत्र की सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की।

महाशिवरात्रि के अवसर पर बरमकेला के सभी प्रमुख शिव मंदिरों में विशेष पूजा अर्चना का आयोजन किया गया। थाना परिसर स्थित शिव मंदिर, तालाब किनारे स्थित प्राचीन शिव मंदिर सहित विभिन्न सार्वजनिक स्थलों पर स्थापित शिवालयों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखी गई। भक्तों ने जल, दूध, बेलपत्र, धतूरा, नारियल, फल और फूल अर्पित कर भगवान शिव की विधिवत पूजा की और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। महाशिवरात्रि के दिन श्रद्धालु सुबह से ही मंदिरों में पहुंचने लगे थे। कई श्रद्धालुओं ने व्रत रखकर भगवान शिव की आराधना की और पूरे दिन पूजा पाठ में लीन रहे। मंदिरों में पुजारियों द्वारा विशेष मंत्रोच्चार और विधि विधान से पूजा संपन्न कराई गई। श्रद्धालुओं ने शिवलिंग पर जल और दूध अर्पित कर अपनी श्रद्धा व्यक्त की। शाम के समय मंदिरों में विशेष आरती का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए।

मंदिरों के साथ साथ श्रद्धालुओं ने अपने घरों में भी भगवान शिव की पूजा अर्चना की। कई लोगों ने अपने घरों में शिवलिंग की स्थापना कर विधि विधान से पूजा की और परिवार की सुख समृद्धि की कामना की। महिलाओं, युवाओं और बच्चों में भी इस पर्व को लेकर विशेष उत्साह देखने को मिला। पूरे दिन घरों में भक्ति गीत भजन और मंत्रोच्चार की ध्वनि सुनाई देती रही।

महाशिवरात्रि पर स्काई टीएमटी ने किया स्टेशन चौक में महा भंडारे का आयोजन

खरसिया। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर स्काई टीएमटी के डायरेक्टर विकास अग्रवाल के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में खरसिया के हृदय स्थल स्टेशन चौक में स्काई प्लांट द्वारा भव्य भंडारे का आयोजन किया गया। इस धार्मिक एवं सामाजिक आयोजन में क्षेत्र के सैकड़ों श्रद्धालुओं एवं आम नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम के दौरान पूरे क्षेत्र में भक्ति एवं आस्था का माहौल देखने को मिला। भंडारे में श्रद्धालुओं के लिए विशेष रूप से प्रसाद एवं भोजन की व्यवस्था की गई थी। आयोजन स्थल पर सुबह से ही लोगों का आना शुरू हो गया था, जो देर शाम तक जारी रहा। स्थानीय नागरिकों ने इस आयोजन की सराहना करते हुए इसे सामाजिक एकता और धार्मिक सद्भाव का प्रतीक बताया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में स्काई प्लांट के कर्मचारियों एवं स्थानीय सहयोगियों का विशेष योगदान रहा। आयोजन के अंत में आयोजकों ने सभी श्रद्धालुओं और सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

सरिया में बाबा भोलेनाथ की विशेष भस्म आरती में उमड़े श्रद्धालु

सरिया। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर 14 फरवरी शाम 7 बजे नगर के प्रसिद्ध पहाड़ तालाब मंदिर में बाबा भोलेनाथ की विशेष भस्म आरती के साथ श्रद्धालु उत्सव के रूप में मनाए। सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले के तहसील मुख्यालय सरिया में प्रसिद्ध पहाड़ तालाब शिव मंदिर में महाशिवरात्रि पर्व को लेकर श्रद्धालु धूमधाम से भगवान भोलेनाथ की आस्था में डूबे हुए हैं। इसके पहले भगवान भोलेनाथ को हल्दी रस्म के साथ उनका पूजा पाठ किया गया।

14 फरवरी शाम 7 बजे श्रद्धालुओं ने भस्म आरती में शामिल होने के लिए बड़ी संख्या में उमडे। और भोलेनाथ के दिव्य दर्शन कर स्वयं को धन्य किया। मंदिर के पुजारी और ज्योतिषाचार्य निलेश भारती ने बताया की भस्म

आरती का महत्व और कई गुना बढ़ जाता है, जब पूरी गर्भ गृह में शिव तत्व, मंत्र और भस्म की दिव्य ऊर्जा फैल जाती है। उन्होंने बताया कि शिवरात्रि के पावन अवसर पर शनिवार को भगवान भोलेनाथ को भस्म अर्पित किया गया। जो सृजन, विनाश और पुनर्जनन का प्रतीक है। भस्म आरती के दौरान बाबा भोलेनाथ महाकाल का दिव्य श्रृंगार किया गया ।जो भक्तों के लिए एक अनूठा और अविस्मरणीय अनुभव रहा है ।इस दौरान बड़ी संख्या में माता एवं श्रद्धालु जन शामिल हुए। भस्म आरती के साथ साथ 108 दीप की आरती से भगवान भोलेनाथ की पूजा अर्चना की गई। 15 फरवरी महाशिवरात्रि के दिन नगर में पहाड़ तालाब मंदिर से भोलेनाथ की भव्य बारात निकल जाएगी ।जो पूरा दिन शिवमय होगा।

सूचना के अधिकार के तहत सूचना देने में टाल मटोल कर रहे अधिकारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ पुसौर

सरकारी दफ्तरों में नियमों की अनदेखी और सूचना के अधिकार के तहत जानकारी प्राप्त करने में आम जनता को हो रही परेशानी एक गंभीर मुद्दा है। सूचना के अधिकार अधिनियम 2005 के तहत नागरिकों को सरकारी कार्यालयों से जानकारी प्राप्त करने का अधिकार है लेकिन दफ्तरों में इस अधिकार का पालन नहीं किया जा रहा है।

आम जनता को अपनी आवश्यकता के अनुसार दस्तावेजों की जानकारी चाहिए होती है लेकिन संबंधित अधिकारियों द्वारा जानकारी देने

से बचा जाता है। कार्यालय में जानकारी होने के बावजूद ऑफिस में नहीं है या गुम हो गई है अथवा अवकाश के दिन जानकारी लेने के लिए बुलाया जाता है और फिर छुट्टी का बहाना बनाया जाता है। इस तरह का वाक्या जिला मुख्यालय स्थित रेशम विभाग, नगर पंचायत पुसौर, जनपद पंचायत पुसौर और पुसौर तहसील से जुडी हुई है। यह स्थिति न केवल आम जनता के लिए परेशानी का कारण बनती है बल्कि शासन प्रशासन की पारदर्शिता और जवाबदेही पर भी सवाल उठाती है। सरकार के नियम और अधिनियम के तहत लोगों को लाभ पहुंचाने की योजनाएं बनाई जाती हैं लेकिन जब इन योजनाओं की जानकारी ही लोगों को नहीं मिलती है तो इसका उद्देश्य पूरा नहीं हो पाता है।

शिव मंदिरों में भक्तों ने पूजा-अर्चना कर लिया आशीर्वाद

कटेली। महाशिवरात्रि हिंदुओं का एक धार्मिक त्योहार है। पुराणों के अनुसार इस दिन भगवान शिव और माता पार्वती की शादी हुई थी। महाशिवरात्रि हर साल फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को मनाया जाता है। भगवान शिव की कृपा और आशीर्वाद पाने के लिए महाशिवरात्रि को बहुत खास माना गया है। इस साल सारंगढ़ अंचल के शिवालय में भारी भरकम उत्साह देखने को मिल रहा है। शिवालय में भक्त जनों ने पूजा पाठ कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

इस अवसर पर सारंगढ़ के खाड़ाबंद तालाब, ताला मंदिर में भगवान शंकर की मूर्ति या शिवलिंग को पंचामृत से स्नान कराकर लोटे से जल चढ़ाया जाता है। फिर चंदन का तिलक लगाकर, बेलपत्र, भांग, धतूरा, जायफल, कमल गट्टे, फल, मिष्ठान, मीठा पान, इत्र चढ़ाना चाहिए।

किसी भी विशेष पूजा पर भगवान के आगे कुछ दक्षिणा जरूर चढ़ाना चाहिए शिवरात्रि के दिन सुबह से लेकर पूरी रात तक दीपक जलाने से शिव और पार्वती की कृपा प्रप्त होती है। माना जाता है कि इस दिन पुजा पाठ करने से दांपत्य जीवन में खुशहाली आती है साथ ही, अविवाहितों को मनपसंद जीवनसाथी मिलता है।

अमोदा में बरसों पुरानी विधि से तैयार हो रहा शुद्ध और प्राकृतिक गुड़

बरमकेला। बरमकेला जनपद अंतर्गत ग्राम पंचायत अमोदा में आज भी वर्षों पुरानी परंपरा के अनुसार शुद्ध और प्राकृतिक गुड़ बनाने की परंपरा जीवित है। आधुनिकता के इस दौर में जहां अधिकांश स्थानों पर मशीनों और रसायनों के सहारे उत्पादन किया जा रहा है, वहीं अमोदा के किसान आज भी पारंपरिक तरीके से बिना किसी रासायनिक पदार्थ के शुद्ध गुड़ तैयार कर रहे हैं। इस वर्ष क्षेत्र में गन्ने की अच्छी पैदावार होने से ग्रामीणों में उत्साह का माहौल है और बड़ी मात्रा में गुड़ और अन्य उत्पाद बनाए जा रहे हैं।

ग्राम अमोदा के डनसेना परिवार द्वारा यह कार्य कई वर्षों से निरंतर किया जा रहा है। यह परिवार अपने खेत में ही गन्ने की खेती करता है और उसी गन्ने के रस से गुड़ए उखरा ;मीठी लाईद्ध तथा मुर्रा लड्डू जैसे पारंपरिक उत्पाद तैयार करता है। यह कार्य न केवल उनकी आजीविका का साधन है, बल्कि गांव की सांस्कृतिक पहचान और परंपरा का भी प्रतीक बन गया है। गुड़ बनाने की

प्रक्रिया पूरी तरह मेहनत और अनुभव पर आधारित होती है। सबसे पहले किसान अपने खेतों से गन्ने की कटाई कर उसे उस स्थान पर लाते हैं जहां रस निकालने की व्यवस्था की गई होती है। पहले के समय में यह कार्य बैलों की सहायता से किया जाता था, जिसमें बैल गोल गोल घूमकर गन्ने को दबाते थे और उसका रस निकाला जाता था। लेकिन अब समय के साथ ग्रामीणों ने छोटे ट्रैक्टर और आधुनिक क्रेशर मशीनों का उपयोग शुरू कर दिया है, जिससे कम समय में अधिक मात्रा में रस निकाला जा सकता है। इसके बाद निकाले गए गन्ने के रस को बड़े लोहे के कड़ाह या बर्तन में डालकर लकड़ी और उपलों की आग में गर्म किया जाता है।

गुड़ के साथ बनते हैं अन्य स्वादिष्ट उत्पाद

गुड़ बनाने के साथ साथ ग्रामीण मीठी लाई और मुर्रा लड्डू भी तैयार करते हैं। मिली लाइ बनाने के लिए गुड़ के गाढ़े रस में लाई मिलाई जाती है, जिससे स्वादिष्ट मीठी लाई तैयार होती है। वहीं बचा हुआ रस मुर्रा मुरमुरा में मिलाकर मुर्रा लड्डू बनाए जाते हैं, जो बच्चों और बड़ों सभी के बीच लोकप्रिय हैं। यह सभी उत्पाद पूरी तरह प्राकृतिक और पारंपरिक विधि से तैयार किए जाते हैं।

मिल रहा रोजगार और आर्थिक मजबूती

गुड़ निर्माण का यह कार्य गांव के कई परिवारों के लिए आय का महत्वपूर्ण साधन बन गया है। इससे न केवल किसानों को अपनी उपज का उचित मूल्य मिल रहा है, बल्कि स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी उत्पन्न हो रहे हैं। गुड़ की बढ़ती मांग के कारण ग्रामीणों को बाजार में अच्छी कीमत मिल रही हैए जिससे उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हो रही है।